



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 220]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 31, 2001/चैत्र 10, 1923

No. 220]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 2001/CHAITRA 10, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2001

सं. 4 (आर ई-2001)/1997—2002

का.आ. 306(अ).—निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 के पैराग्राफ 1.3 और 4.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा-5 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार 31 मार्च, 1997 को प्रकाशित और समय-समय पर संशोधित निर्यात और आयात मर्चों के आई टी सी (एचएस) वर्गीकरण, 1997-2002 में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामशः निर्यात और आयात मद 1997-2002 के आई टी सी (एचएस) वर्गीकरण के अध्याय 87 में उल्लिखित आयात लाइसेंसिंग टिप्पणी के अन्त में निम्नलिखित धारा को जोड़ा जायेगा ।

“(5)(I) क इस अध्याय के प्रयोजन के लिए पुरानी अथवा उपयोग में लाया गया वाहन (रेलवे या ट्रामवे से अन्यत्र सभी वाहन शामिल) तात्पर्य उस वाहन से है जिसको:

- (क) भारत में आयात करने से पहले इसको बेचा गया, लीज किया गया हो या उधार दिया गया हो ।
- (ख) भारत में आयात किए जाने से पूर्व इसको किसी देश में उसके देश के कानूनों के तहत उपयोग के लिए पंजीकृत किया गया हो ।

(2) पुराने अथवा उपयोग में लाये गये वाहन का आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा:-

- (क) पुराना अथवा उपयोग में लाया गया वाहन इसके विनिर्माण की तारीख से 3 वर्ष से अधिक पुराना अथवा इस्तेमाल किया हुआ नहीं होना चाहिए ।
- (ख) पुराना अथवा उपयोग में लाए गए वाहन में
- (1) स्टैयरिंग व कन्ट्रोल दाये हाथ की तरफ होना चाहिए (दो पहिये व तिपहिये वाहनों के अलावा वाहनों पर लागू होगा ।)
 - (2) इसमें किलोमीटर में गति दर्शाने वाला स्टीडोमीटर होना चाहिए और
 - (3) वाहन के हैड लैम्प बाये और चलने वाले यातायात के अनुकूल हो ।
- (ग) उपर्युक्त (क) और (ख) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अलावा पुराना और इस्तेमाल किया हुआ वाहन मोटर वाहन अधिनियम 1988 और उसके तहत बने नियमों के प्रावधानों के अनुरूप होना चाहिए ।
- (घ) मोटर वाहनों का आयातक या व्यापारी वह व्यक्ति होगा जो भारत में पुराने या इस्तेमाल में लाये गये वाहन को आयात अथवा आयात करने के लिए राजी हो वह,
- (1) आयात करते समय किसी ऐसी जांच एजेंसी जिसे इस संबंध में केन्द्रीय सरकार ने अधिसूचित किया हो, से उपयोग में लाने का यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि भारत को आयात किया जाने वाला पुराने और इस्तेमाल किये गये वाहन की भारत को निर्यात करने हेतु पोतलदान से पूर्व जांच कर ली गई हो और वह वाहन भारत के मोटर वाहन अधिनियम 1988 और उसके तहत बने नियमों में विनिर्दिष्ट सभी विनियमनों के अनुरूप हो ।
 - (2) आयात करने समय किसी ऐसे जांच एजेंसी जिसे इस संबंध में केन्द्रीय सरकार ने अधिसूचित किया हो, से उपयोग में लाने का यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि भारत को आयात किये जाने वाला पुराना और इस्तेमाल किया गया वाहन वाहन की भारत को निर्यात करने हुए पोतलदान से पूर्व जांच कर ली गयी है और वह वाहन विनिर्माण के समय जारी मूल होमलोगेशन प्रमाण-पत्र के अनुरूप है ।
 - (3) भारतीय पत्तन में पहुँचने पर लेकिन घरेलू खपत के लिए निकासी से पूर्व मोटर वाहन अधिनियम 1988 और उसके अधीन बने नियमों के उपबन्धों का उस एजेंसी द्वारा अनुपालन का प्रमाणपत्र मंजूर करने के लिए उस वाहन को वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना, अहमदनगर रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार या आटोमोटिव रिसर्च, एसोसिएशन आफ इंडिया, पुणे या सैन्ट्रल फार्म मशीनरी टैसेग व टैस्टिंग इन्स्टीट्यूट, बुडनी, मध्य प्रदेश, टैक्टर के लिए और केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसी किसी अन्य एजेंसी को जांच के भेजा जायेगा ।

(4) इन वाहनो का आयात केवल मुंबई के सीमाशुल्क के माध्यम से अनुमत होगा ।

(ड.) भारत में आयात किया गया पुराना और इस्तेमाल किये वाहन की भारत में आयात करने की तारीख से कम से कम 5 वर्ष की अवधि के लिए सड़के पर चलने की क्षमता होनी चाहिए और साथ ही 5 वर्ष की अवधि के दौरान देश में सेवा सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन होना चाहिए । इस प्रयोजन के लिए आयातक, आयात के समय एक घोषणा प्रस्तुत करेगा, जिसमें आयात किये जा रहे प्रत्येक वाहन के संबंध में अलग अलग सड़क क्षमता की अवधि का उल्लेख होगा और इसके साथ भारत सरकार द्वारा जांच के लिए अधिसूचित किसी जांच एजेन्सी द्वारा जारी प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करेगा ।

(6)(1) इस अध्याय के प्रयोजन के लिए नया आयातित वाहन (रेलवे या ट्रामवे से अन्य सभी वाहन शामिल) का तात्पर्य उस वाहन से होगा जिसको:

- (क) भारत में विनिर्मित/एसेम्बल किया गया हो और
- (ख) भारत में आयात करने में पूर्व बेचा, न गया हो, लीज अथवा उधार पर न दिया गया हो: या
- (ग) भारत में आयात करने से पूर्व किसी देश में उस देश के कानूनों के अनुसार उपयोग के लिए पंजीकृत न किया गया हो ।

(2) नये वाहनों का आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा ।

- (1) इसमें किलोमीटर प्रतिघंटा गति दर्शान वाला स्पीडोमीटर होना चाहिए ।
- (2) स्टेयरिंग व कन्ट्रोल दाये हाथ की तरफ होना चाहिए (दो पहिये व तिपहिये वाहनों के अलावा वाहनों पर लागू होगा) ;
- (3) वाहन के हैड लैम्प बांये और चलने वाले यातायात के अनुकूल हो
- (4) विनिर्माण के देश से आयात किया जाना चाहिए ।

(ख) उपर्युक्त (क) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अलावा पुराना और इस्तेमाल किया हुआ वाहन मोटर वाहन अधिनियम 1988 और उसके तहत बने हुए नियमों के अनुरूप होना चाहिए ।

(ग) मोटर वाहन का आयातक या व्यापारी वह व्यक्ति होगा जो भारत में पुराने या इस्तेमाल लाये गये वाहन को आयात या आयात करने के लिए राजी होगा ।

- (1) आयात करने समय केन्द्रीय मोटर वाहन नियम (सी एम बी आर) 1789 के नियम 126 के प्रावधान के अनुसार आयात किये जा रहे वाहन के माडल के लिए उक्त नियम में विनिर्दिष्ट परीक्षण एजिसियों में से किसी एजेन्सी द्वारा जारी अनुपातन का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा ।

- (2) केन्द्रीय मोटर वाहन नियम के 1989 के नियम 122 और 138 के अनुसार विनिर्माता को सौंपे गये सभी प्रावधानों और सी एम बी आर 1989 के उपबन्धों के अनुसार फार्म 22 में जारी करने के लिए जिम्मेवार होगा: और
- (3) लिखित में यह वचनबद्धता देगा कि वह आयात के 6 महीने के भीतर सी एम बी आर के नियम 126 के अनुसार अनुपालन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा। ऐसा करने में असमर्थ रहने पर उस माडल के नये वाहन के और आयात की उस के बाद अनुमति नहीं होगी।

(घ) नये वाहन का आयात केवल नव सेवा कोलकत्ता और चैन्नई के सीमाशुल्क पत्तन के माध्यम में अनुमत होगा।

(ङ.) इस अधिसूचना के प्रावधान नये वाहनों के आयात पर निम्नलिखित के लिए लागू नहीं होगा:

- (1) उपर्युक्त पैरा 3(1) के अनुसार प्रमाणपत्र के प्रयोजन के लिए
- (2) रक्षा आवश्यकताओं के प्रयोजन के लिए: और
- (3) वाहन विनिर्माताओं द्वारा आर एण्ड डी के प्रयोजन के लिए

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/89/180/00224/ए एम 01]

एन० एल० लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार और
पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2001

No. 4 (RE-2001)/1997—2002

S.O. 306(E).—In exercise of powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 and 4.1 of the Export and Import Policy, 1997-2002, the Central Government hereby makes the following amendments in the ITC(HS) Classifications of Export and Import Items, 1997-2002 published on 31st March, 1997 (RE-98) as amended from time to time, namely- in the import licensing notes appearing in Chapter-87 of the said ITC(HS) Classification export & Import items, 97-2002, the following clauses shall be inserted in the end ;

“(5) (I) A second hand or used vehicle (including all the vehicles other than Railway or Tramway) for the purposes of this Chapter shall mean a vehicle that :-

- (a) has been sold, leased or loaned prior to importation into India; or
- (b) has been registered for use in any country according to the laws of that country, prior to importation into India;

(II). The import of second hand or used vehicles shall be subject to the following conditions:-

- (a) The second hand or used vehicle shall not be older than three years from the date of manufacture;
- (b) The second hand or used vehicle shall :
 - (i) have right hand steering, and controls (applicable on vehicles other than two and three wheelers);
 - (ii) have a speedometer indicating the speed in Kilometres; and
 - (iii) have photometry of the headlamps to suit "keep left" traffic.
- (c) In addition to the conditions specified in (a) and (b) above, the second hand or used vehicle shall conform to the provisions of the Motor Vehicle Act, 1988 and the rules made thereunder.
- (d) Whoever being an importer or dealer in motor vehicles who imports or offers to import a second hand or used vehicle into India shall,
 - (i) at the time of importation, submit a certificate issued by a testing agency, which the Central Government may notify in this regard, that the second hand or used vehicle being imported into India has been tested immediately before shipment for export to India and the said vehicle conforms to all the regulations specified in the Motor Vehicles Act, 1988 of India and the rules made thereunder.
 - (ii) At the time of importation, submit a certificate issued by a testing agency, which the Central Government may notify in this regard, that the second hand or used vehicle being imported into India has been tested immediately before shipment for export to India and the said vehicle conforms to the original homologation certificate issued at the time of manufacture.
 - (iii) On arrival at the Indian port but before clearance for home consumption, submit the vehicle for testing by the Vehicle Research and Development Establishment, Ahmednagar of the Ministry of Defence of the Government of India or Automotive research Association of India, Pune or Central Farm Machinery Training and Testing Institute, Budni, Madhya Pradesh for tractors, and such other agencies as may be specified by the Central Government, for granting a certificate by that agency as to the compliance of the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and any rules made thereunder.
 - (iv) Import of these vehicles shall be allowed only through the customs port at Mumbai.
- (e) The second hand or used vehicles imported into India should have a minimum roadworthiness for a period of 5 years from the date of importation into India with assurance for providing service facilities within the country during the five year period. For this purpose, the importer shall, at the time of importation, submit a declaration indicating the period of roadworthiness in respect of every individual vehicle being imported, supported by a certificate issued by any of the testing agencies, which the Central Government may notify in this regard."

(6) (I) A new imported vehicle (including all the vehicles other than Railway or Tramway) for the purposes of this Chapter shall mean a vehicle that :-

- (a) has not been manufactured/assembled in India; and
- (b) has not been sold, leased or loaned prior to importation into India; or
- (c) has not been registered for use in any country according to the laws of that country, prior to importation into India.

(II) The import of new vehicles shall be subject to the following conditions:

- a. The new vehicle shall-
 - (i) have a speedometer indicating the speed in Kilometres per hour;
 - (ii) have right hand steering, and controls (applicable on vehicles other than two and three wheelers);
 - (iii) have photometry of the headlamps to suit "keep-left" traffic; and
 - (iv) be imported from the country of manufacture.
- b. In addition to the conditions specified in (a) above, the new vehicle shall conform to the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and the rules made thereunder, as applicable, on the date of import.
- c. Whoever being an importer or dealer in motor vehicles who imports or offers to import a new vehicle into India shall,
 - (i) at the time of importation, have valid certificate of compliance as per the provisions of rule 126 of Central Motor Vehicle Rules (CMVR), 1989, for the vehicle model being imported, issued by any of the testing agencies, specified in the said rule;
 - (ii) be responsible for all the provisions assigned to the manufacturer as per Rules 122 & 138 of CMVR, 1989 and for issuing Form 22, as per provisions of CMVR, 1989; and
 - (iii) give an undertaking in writing that the proof of compliance to conformity of production as per rule 126A of CMVR shall be submitted within six months of the imports. In case of failure to do so, no further import of new vehicle of that model shall be allowed thereafter.
- d. The import of new vehicles shall be permitted only through the Customs port at Nhava Sheva, Calcutta and Chennai.
- e. The provisions of this notification will not apply to the imports of new vehicles-
 - (i) for the purpose of certification as per para c (i) above;
 - (ii) for the purpose of defence requirements; and
 - (iii) for the purpose of R&D by vehicle manufacturers."

This issues in Public interest.

[F. No. 01/89/180/00224/AM 01]

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade
and ex-officio Addl. Secy.